आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, प्रयागराज

(संघटकः इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज)

में आयोजित

द्वि–दिवसीय – राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय : 'पंच प्रणः सशक्त भारत हेतु एक सकारात्मक पहल'

दिनांकः 07–08 अक्टूबर, 2023

प्रथम सूचना पत्र

स्थान – आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, मुठ्ठीगंज, प्रयागराज

(संघटकः इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज)

आपको सूचित करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती के महान सिद्धान्तों पर आधारित आर्य कन्या डिग्री कालेज, प्रयागराज, माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के द्वारा 76वें स्वतन्त्रता दिवस पर देश के लिए दिए गए संकल्प आह्वान 'पंच प्रण' की दिशा में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहा है जिसमें देश के विभिन्न भागों से विद्वत जन अपने विचारों के द्वारा इस संकल्प को पूर्ण करने हेतु देश के प्रत्येक नागरिक को आगामी 25 वर्षों में उनके कर्तव्यों से अवगत कराने की दिशा में जागरूक करेंगे, और एक विशेष माहौल प्रदान करने का प्रयास करेगें कि जिससे सभी एकजुट होकर समाज व देश हित में भारत को विकसित रूप प्रदान कर सकेंगे।

आगामी वर्ष भारत की समृद्धि के लिए अति महत्वपूर्ण है, 25 वर्षों के इसी समय में अमृतकाल में विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यपालन पर आधारित 'पंच प्रण' हेतु देश को संकल्पित करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। जिन्हें अपनाकर आगामी युवा भारत देश की विश्वगुरू की प्रतिष्ठा को पुनः प्रतिस्थापित कर सकता है। पंच प्रण के साकार रूप से भौतिक रूप में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से गुलामी से मुक्ति पर विचार प्राप्त होंगे जो कार्यरूप में परिणत करने में सहायतार्थ होंगे। राष्ट्रीय परम्पराओं, धरोहरों के प्रति गर्व की अनुभूति से प्रेरित करते हुए, देश के सभी हिस्सों से विविध संस्कृतियों को एक साझा मंच पर लाना और प्रतिभागियों को एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना से जोड़ने में सहायता मिलेगी। राष्ट्र के प्रति नागरिकों की एकता एकजुटता और कर्तव्यों को बढ़ावा देने हेतु दिशानिर्देश प्राप्त होंगे। प्रतिभाशाली युवाओं को राष्ट्र निर्माण की ओर प्रेरित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही इस संगोष्ठी के विभिन्न आयामों से अन्य नवीन विचारों का आगमन होगा, जो युवा पीढ़ी को संवेदनशील बनाने, पंच प्रण के अपनी शक्ति, संकल्पों और अपने सामर्थ्य को केन्द्रित करके कार्य करने हेतु उत्तम दिशा प्राप्त करेंगे।

इन्ही उद्धेश्यों को दृष्टिगत रखते हुए विषय **'पंच प्रणः सशक्त भारत की ओर एक सकारात्मक पहल'** पर यह संगोष्ठी देश–विदेश के विषयक विद्वान, विश्लेषक, गम्भीर चिन्तक तथा युवा इतिहासकारों द्वारा सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक पक्षों पर चिन्तन हेतु शोध पत्र एवं विचार आमन्त्रित करती है।

संगोष्ठी उपविषय

पंच प्रण के अन्तर्गत प्रत्येक प्रण से सम्बन्धित उप विषय इस प्रकार हैः (जिन पर लेख आमन्त्रित हैं)

प्रथम प्रण – विकसित भारत

- सर्व समावेशी कल्याण
- वैश्विक स्तर पर आधी आबादी की दशा और दिशा
- आदिवासी सशक्तिकरण
- नई शिक्षा नीति में बाल–विकास
- स्वास्थ्य और कल्याणः स्वास्थ्य के प्रति ऐतिहासिक रूप से पारंपरिक दृष्टिकोण आयुर्वेद, योग और प्रकृति चिकित्सा पर आधारित चिकित्सा की प्राचीन प्रणालियाँ।

द्वितीय प्रण – गुलामी से मुक्ति

- अमृतकाल में परियोजनाएँः भविष्य का सुन्दर द्वार
- प्रौद्योगिकी और तकनीकी के क्षेत्र में भारत
- वैदिक ज्योतिष में अमृत काल का महत्व
- डिजिटल क्रांति

तृतीय प्रण – विरासत पर गर्व

- विदेशी संस्कृति से भारतीय संस्कृति की ओर उन्मुख
- आयुर्वेदिक औषधिः विश्व को भारत की अप्रतिम देन
- भारतीय स्व–इतिहास
- स्थानीय लोककथाओं का पुनरूत्थान
- सांस्कृतिक धरोहरों का संवर्धन एवं संरक्षण
- भारतीय संगीतः औषधि के रूप में
- क्षेत्रीय भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्धन

चतुर्थ प्रण – एकता और एकजुटता

- युवाओं का भारत
- देश की एकता, अखंडता में नागरिकों की चुनौतियॉ
- आंतरिक सीमा सुरक्षा प्रबंधन
- पंचप्रणः भारतीय कूटनीति में संदर्भ में।

पंचम प्रण – नागरिकों का कर्तव्य

- पर्यावरण संवर्धनः अमृत धरोहर, मिष्टी, पी0एम0प्रणाम

- जल निकायों के आस–पास कला और शिल्प को सुधारना और पुर्नजीवित करना।

उपरोक्त के अतिरिक्त सशक्त भारत के उन्मुखीकरण हेतु अन्य विषय आमंत्रित।

आमंत्रित सदस्य : समस्त विभागीय सदस्यगण, शोध छात्र–छात्राएँ जिज्ञासु सदस्य व अन्य।

शोध पत्रों की एकरूपता हेतु दिशा–निर्देशः

1. शोध पत्र हिन्दी या अंग्रेजी में 3000 शब्दों से अधिक न हो।
2. शोध पत्र A-4 साइज के पेपर पर चारों तरफ एक इंच जगह छोड़कर अंग्रेजी के 12 font –size Times New Roman और हिन्दी के 14 फान्ट साइज में यूनिकोड फॉन्ट पर टाइप किया गया हो।
3. कृपया शोध–संक्षेपिका (अधिकतम 250 से 300 शब्द) 05 अगस्त, 2023 तक एवं पूर्ण शोधपत्र 25 अगस्त, 2023 तक akdcseminar@gmail.com ईमेल पर अवश्य प्रेषित कर दें।

महत्वपूर्ण जानकारी :

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण शुल्क का विवरण निम्नानुसार है –

अंतिम तिथिः 15 सितम्बर, 2023 तक पंजीकरण ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से होगा। संगोष्ठी के दिन पंजीकरण कराने पर 200/– रूपये अतिरिक्त देय होगा।

ऑनलाइन लिंकः https://forms.gle/VH6G4sDumezKySGz8

ऑफलाइनः पंजीकरण पत्र भरकर ईमेल पर अथवा लाइब्रेरी, आर्य कन्या डिग्री कालेज में प्रेषित कर दे।

शिक्षक/शिक्षिका हेतु रू0 1500/–

शोध छात्र/छात्राओं हेतु रू0 800/–

छात्र/छात्राओं हेतु रू0 500/–

शोध संक्षिप्तिका भेजने हेतु तिथि : 05 अगस्त, 2023

पूर्ण शोधपत्र भेजने हेतु तिथि : 25 अगस्त, 2023

राष्ट्रीय संगोष्ठी के 20 दिन पूर्व सूचित कर देने पर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी।

सभी समयावधि प्राप्त प्रतिभागियों के शोधपत्रों का संकलन अर्न्तराष्ट्रीय प्रकाशक द्वारा, ISBN पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा।

सादर,

मुख्य संरक्षक

प्रो0 संगीता श्रीवास्तव
कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संरक्षक

श्री पंकज जायसवाल
अध्यक्ष शासीनिकाय, आर्य कन्या डिग्री कालेज, प्रयागराज

अध्यक्ष

प्रो0 अर्चना पाठक
प्राचार्या, आर्य कन्या डिग्री कालेज, प्रयागराज

डॉ0 इभा सिरोठिया उप प्राचार्या	डॉ0 अंजु श्रीवास्तव डीन, कला विभाग	डॉ0 रंजना त्रिपाठी चीफ प्रॉक्टर

परामर्श मण्डल

डॉ0 ममता गुप्ता	डॉ0 टी0एन0 दूबे	डॉ0 अरविन्द मिश्रा
प्रो0 जे0एन0 पाल	डॉ0 बी0के0 सिंह	डॉ0 प्रशान्त शांडिल्य
प्रो0 प्रदीप कुमार केसरवानी	डॉ0 आर0जे0 मौर्या	डॉ0 रितेश त्रिपाठी
प्रो0 प्रवीन कुमार मिश्र	डॉ0 गोपाल मोहन शुक्ला	डॉ0 सुशान्त कु0 पाण्डेय
डॉ0 नितेश कुमार मिश्र	डॉ0 सत्यव्रत शुक्ला	डॉ0 मनीष यादव
डॉ0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह	डॉ0 पुनीत कुमार सिंह	डॉ0 प्रभात रंजन
डॉ0 जितेन्द्र सिंह नौलखा	डॉ0 रवि कान्त सिंह	सुश्री रूशी श्रीवास्तव
		श्री राजेश गुप्ता

कार्यकारिणी सदस्य

डॉ0 सुधा सिंह	डॉ0 स्मिता	डॉ0 नाजनीन फारूकी
डॉ0 नीलाजंना जैन	डॉ0 अमित कुमार	सुश्री माधुरी यादव
डॉ0 अमित पाण्डेय	डॉ0 राधा रानी	डॉ0 दामिनी श्रीवास्तव
डॉ0 निशा खन्ना	डॉ0 सव्यसाँची	सुश्री श्रीया जायसवाल
डॉ0 मुदिता तिवारी	डॉ0 ज्योति रानी जायसवाल	श्री मनन सिंघल
डॉ0 शशि कुमारी	डॉ0 हेमलता श्रीवास्तव	डॉ0 अमित कुमार शुक्ला
श्रीमती सोनमती पटेल	डॉ0 श्याम कांत	डॉ0 पूजा जायसवाल
डॉ0 श्रुति आनन्द	डॉ0 अवधेश सिंह	डॉ0 संदीप कुमार यादव

कार्यक्रम संयोजक

डॉ0 दीपशिखा पाण्डेय
प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

कार्यक्रम सह–संयोजक

डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव, अंग्रेजी विभाग
डॉ0 चित्रा चौरसिया, संगीत विभाग

आयोजन सचिव

सुश्री शिखा जायसवाल, पुस्तकालयध्यक्षा
डॉ0 अनुपमा सिंह, राजनीतिशास्त्र विभाग
डॉ0 अर्चना सिंह, मध्यकालीन इतिहास विभाग

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु संपर्क सूत्र

9984155950, 9580132878, 9415798990, 8299559787

Registration Form of National Seminar on

"पंच प्रणः सशक्त भारत की ओर एक सकारात्मक पहल"

Organized By Arya Kanya Degree College on 07-08 Oct 2023

1. **Email:** _____
2. **Name:** _____
3. **Designation:** _____
4. **Whatsapp No:** _____
5. **Department & Institution:** _____
6. **Qualification:** _____
7. **Title of Paper (Abstract & Article send to akdcseminar@gmail.com):**

   _____

   _____

   _____
8. **Fee:** Pay registration fee by cash or online of Rs. 1500/- (For Faculty member)/800/- (For Research Scholar)/ 500/- (For Student)/- Account number- 36560450863, IFSC code SBIN0016727, State Bank of India
9. **Accommodation required: Yes/ No**

Note: Registration fee is Rs. 1500/- for Faculty, Rs. 800/- for Research Scholar and 500/- for Student. Kindly contact to the Convener/Co- Convener/ Organizing Secretary of the seminar for any other queries.

For Any Query: Please call 9984155950, 9580132878, 9415798990